Maithili

बचि गेल नदी !

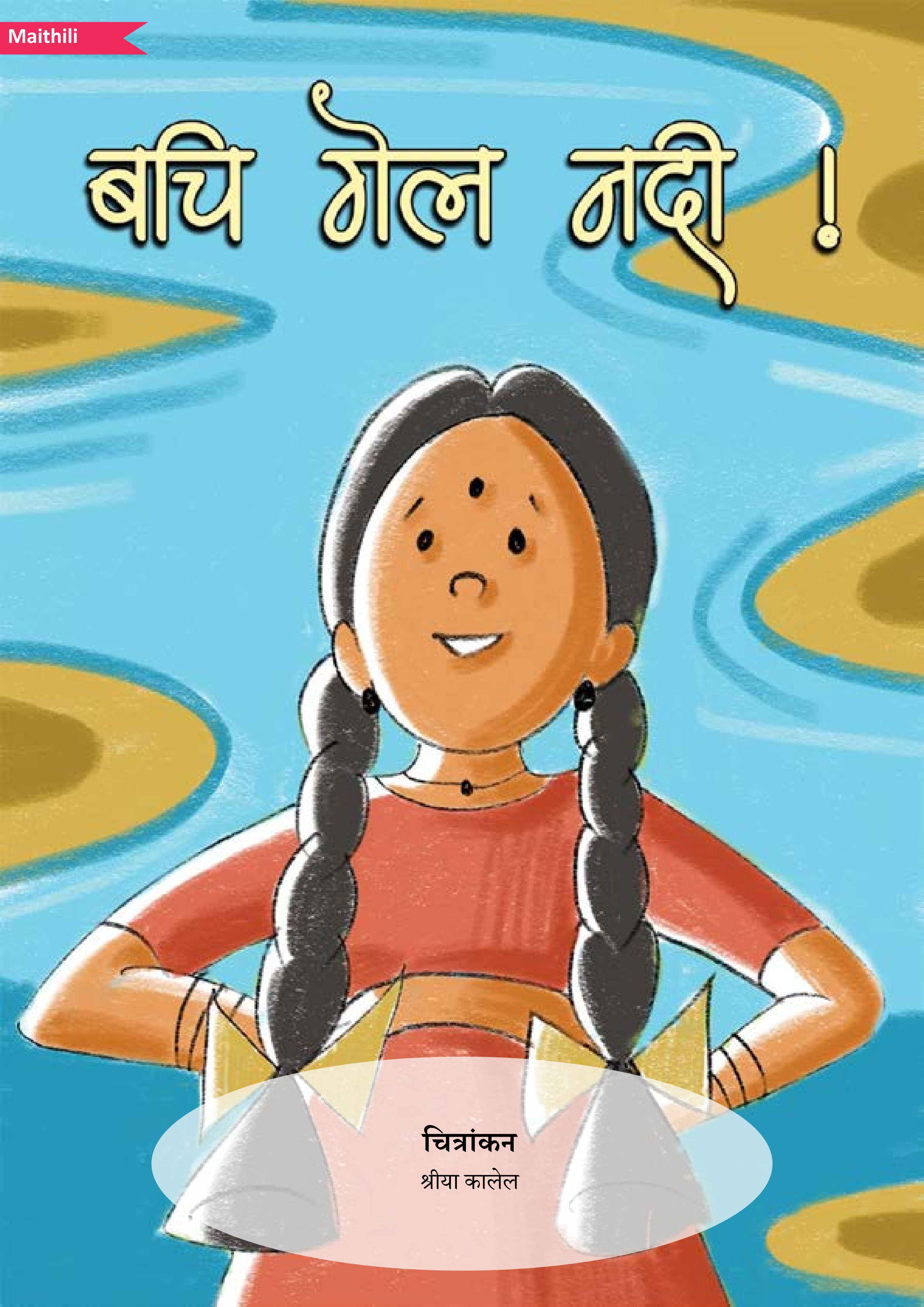

चित्रांकन

श्रीया कालेल

Stories speak...!

Stories are the heartbeat of life, weaving together the bittersweet moments that shape our existence. They ignite our spirit, empower us to face life's challenges, and guide us through the complexities of the world. From the digital age to women's rights, from nature conservation to the pursuit of livelihood, and from embracing life's trials to exercising our right to vote – these stories illuminate the path to a meaningful life. Stories woven around 'Critical Life Skills' not only entertain but also cultivate wisdom, enhance our reasoning, and teach us the art of making informed and thoughtful decisions. Step into the narrative, reflect deeply, and let the stories lead you forward!

Coordinator: Prof. Usha Sharma, Professor & In-charge, Cell for National Centre for Literacy, NCERT, New Delhi

Illustrations: Shreeya Kalel

Typography: Gaurav Choudhary, Assistant Professor, Animation & Multimedia Department, BIT Jaipur

Layout: Mohd. Nazim, Designer

Translation: Central Institute of Indian Languages, Mysore

Reviewer: Dr. Meenakshi Khar, Associate Professor, Department of Social Science and Humanities, RIE Ajmer

Guidance: Prof. Nina Sabnani, Animator and Guest Faculty, Department of Design, IIT Hyderabad

Acknowledgements:

Akshay Kumar Dixit, Mentor Teacher, Delhi Administration

Bhawna Khera, Junior Project Fellow, Cell for National Centre for Literacy, NCERT

Dr. Vibhuti Pandya, Head, Animation & Multimedia Department, BIT Jaipur

Gautam Goswami, Assistant Professor, Animation & Multimedia Department, BIT Jaipur

IIT Hyderabad: Dr. Prasad S. Onkar, Associate Professor and Head, Department of Design; Prof. Deepak John Matthew, Professor, Department of Design; Delwyn Jude Remedios, Assistant Professor, Department of Design; Ankita Roy, Assistant Professor, Department of Design; Dr. Mohd. Shahid, Assistant Professor, Department of Design; Dr. Saurav Deori, Assistant Professor, Department of Design; Dr. Shuhita Bhattacharjee, Assistant Professor, Department of Liberal Arts

Mohd. Shah Alam, Senior Consultant (ICT), Cell for National Centre for Literacy, NCERT

Shyam Singh Sushil, Writer

बचि गेल नदी !

चित्रांकन

श्रीया कालेल

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

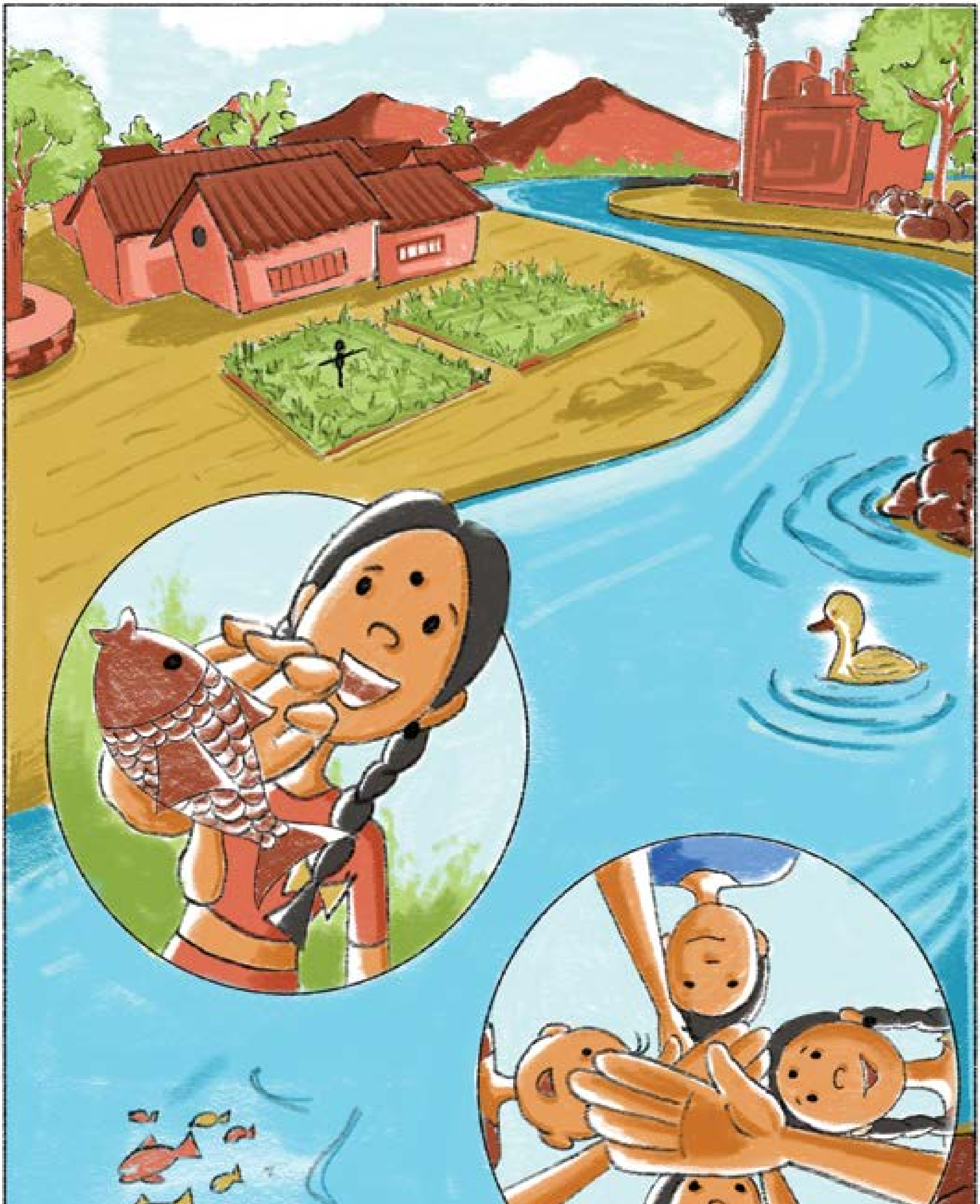

श्रिया एकटा छोट सन गाम मे रहैत छलीह। गाममे एकटा नदी बहैत छल, जकर कातमे ओ सदिखन अपन संगी सभक संग खेलैत आ माछ मारैत समय बिताबैत छलीह।

एकदिन नदीक कात मे खेलैत काल श्रीयाकेँ नदी मे किछु अजीब-सन नजरि पड़लनि।
पिताजी!
एहि नदी मे ई की बहैत ?अछि

फैक्ट्री सब अपन कचरा नदी मे फेकि रहल अछि।
? केहन कचरा
एहन चीज जे उपयोग नहि होइत अछि ओकरा फैक्ट्री सब नदीमे फेकि दैत अछि
एहिसँ नदीक पानि त गंदा होइते अछि, संगहि ;039#&भ नदीमे रहय बला माछ आ अन्य जानवरक जीयब सेहो कठिन जाइत अछि। ;039#&भ
आ, एहि पानि पीबि लोक सेहो बीमार पड़ि जाइत अछि ।

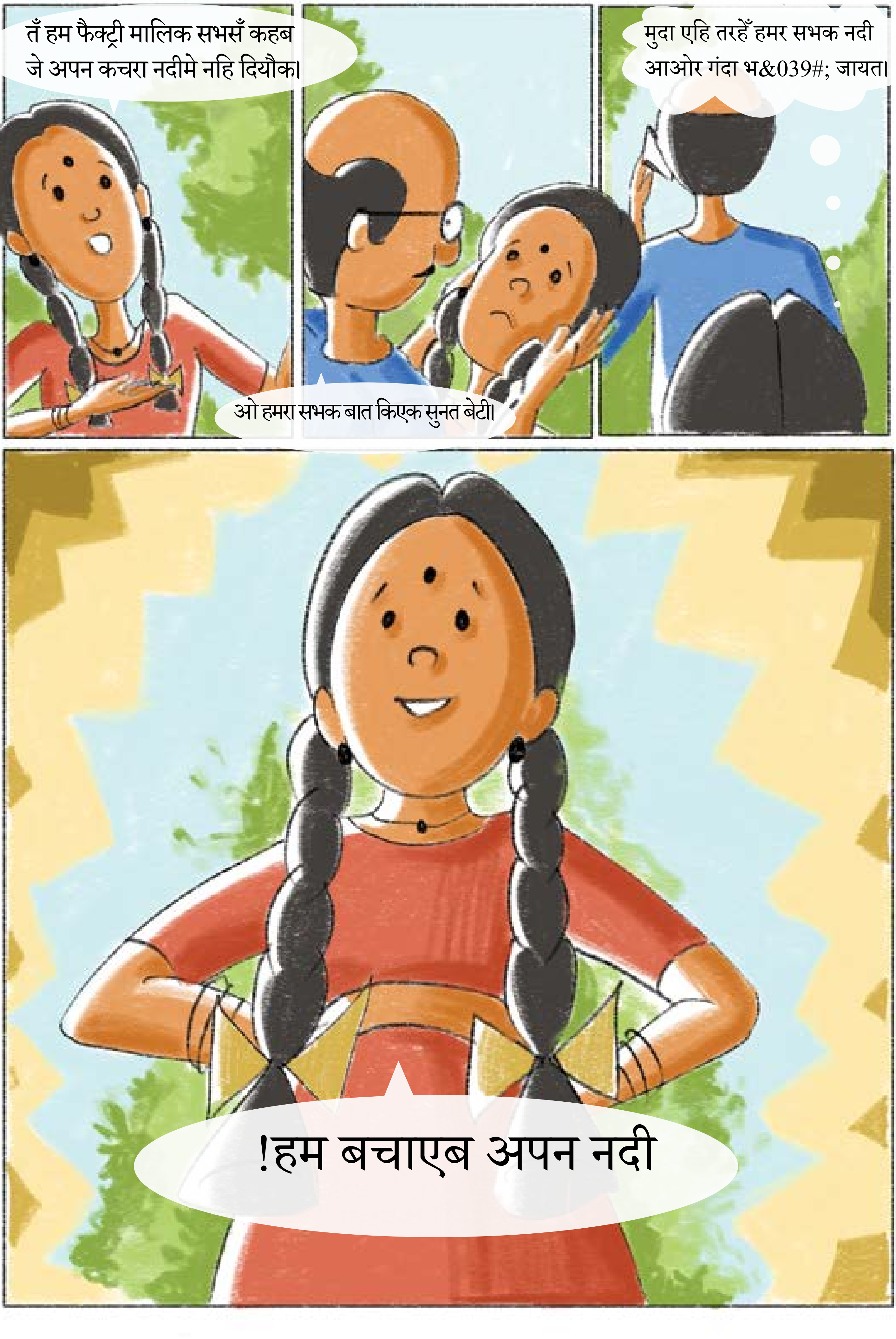
तँ हम फैक्ट्री मालिक सभसँ कहब जे अपन कचरा नदीमे नहि दियौक।
ओ हमरा सभक बात किएक सुनत बेटी।
मुदा एहि तरहेँ हमर सभक नदी आओर गंदा भ&039#; जायत।
!हम बचाएब अपन नदी

हमरा सभके नदीक पानि के गंदा होबयसँ बचाबय पड़त अन्यथा सब माछ मरि जायत आ हम सब बीमार भ जायब।
? मुदा हम की क सकैत छी
हम गामक सभ लोकसँ गप क के हुनकर मदद ल सकैत छी।
हँ, चलू सभसँ गप्प करी।
? के अछि
हम श्रीया छी, नदीक पानि रहल ;039#&बड्ड गंदा भ अछि।
?त हम एहिमे की क सकैत छी
एकबेर हमर बात सुनि त लिअ।

हमर बात कियो नहि सुनलक।
? आब हम की करब
हम नदीक गंदा होइत नहि देखि सकैत छी। हम किछु जरूर करब।
याद आबि गेल!! दीदी कहने छलीह जे चिट्ठी लिखला स परिवर्तन अबैत अछि।
विधायक
प्रधान
अख़बार
मुखिया
फ़ैक्टरी मासिक
मुख्यमन्त्री
मुख्यमन्त्री जी
गाममे मौजूद कारखानासँ
निकलल कचरासँ नदीक पानि
प्रदूषित भ रहल अछि। हम सब
नदी के पानि पर निर्भर छी, आ
एहि प्रदूषित पानि के कारण हमर
गाम के दिक्कतक सामना करय
पड़ि रहल अछि।
अपनेसँ आग्रह अछि जे हमर नदी
के बचाबय में हमर मदद करू।
अहां कें धन्यवाद
आशा अछि जे ई पत्र निश्चित रूप स परिवर्तन आनत।

धीरे-धीरे गामक बहुतो लोक बीमार पड़य लगलाह।
दवाइयाँ
भाई सर्दी आ बोखारक दवाई दऽ दिअ।
?हे रचना बेटी, घरमे के बीमार छथि
नमस्कार काका। ऋषभ बीमार अछि।
किछु गड़बड़ खा लेलक ?कि

नहि, काका। डाक्टर साहेब कहलनि जे ई सबटा दूषित पानि पीबाक कारणेँ भेल अछि।
«अच्छा। अहाँ के बुझल अछि जे पिछला किछु दिनसँ गामक बहुतो लोक एहि दूषित पानि पीलाक बाद बीमार पड़ि गेल छथिन्ह।»
हमरा सभकेँ श्रियाक सलाह पहिने स्वीकार करबाक चाही छल।
!एखनहुँ बेसी देर नहि भेल अछि

नदीक दूषित पानि पीलाक बाद पूरा गाम बीमार पड़ि रहल अछि।
आब हमहूँ अहाँक संग देब श्रीया।
हमसब बुझि गेल छी जे नदी के बचायब कतेक जरूरी अछि।
ठीक छै, त आउ सब मिलि क हस्ताक्षर अभियान शुरू करी।
!नदी के बचाउ
प्रधान काका ! ई लऽ कऽ अपन नदी के बचाबय मे हमर मदद करु।
नियमक पालन नहि कएला पर फैक्ट्री पर जुर्माना लगाओल जाइत अछि। संगहि नदीक कूड़ा साफ करबा लेल मशीन लगेबाक अनुमति सेहो देल जाएत अछि।
कलेक्टर

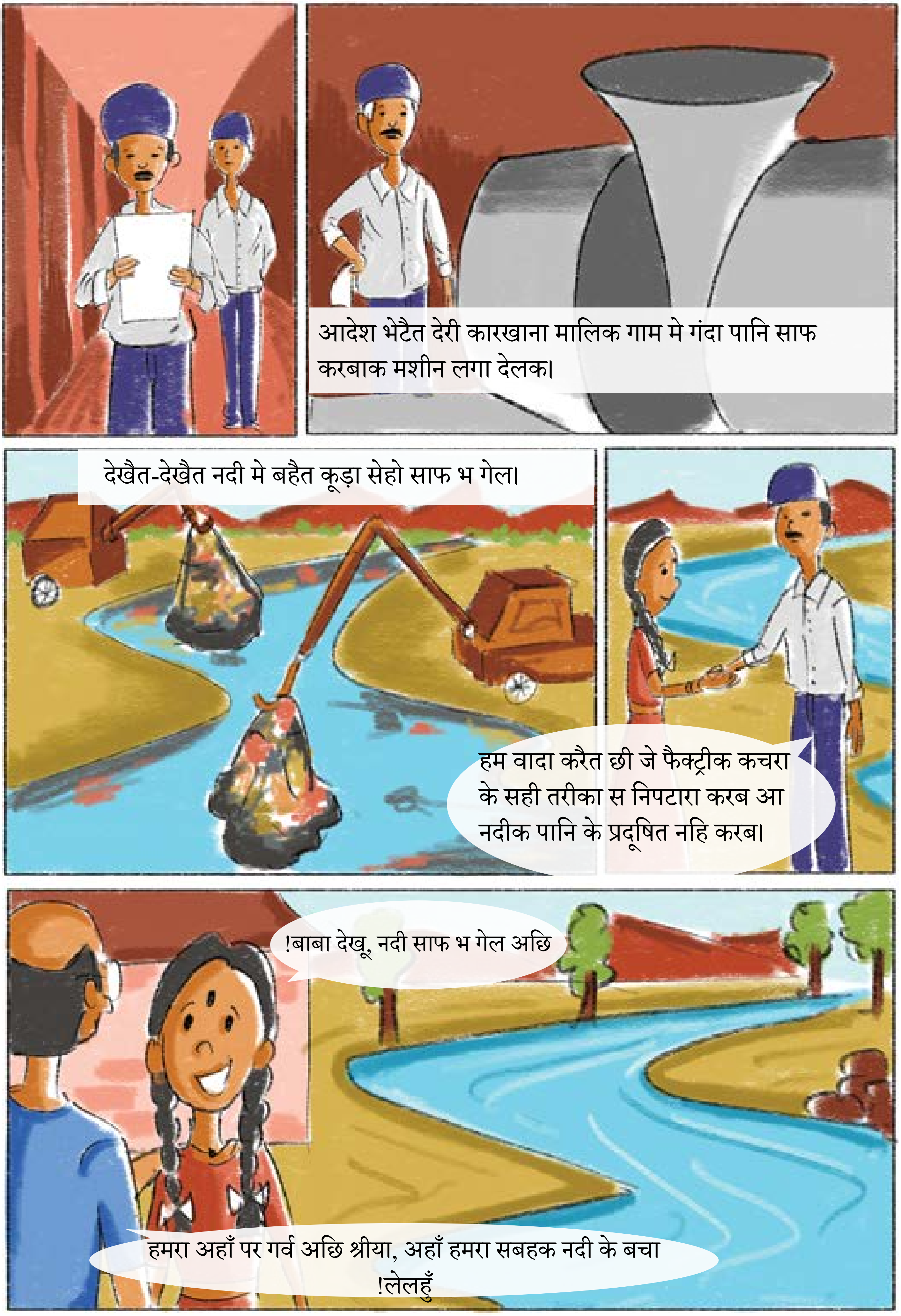
आदेश भेटैत देरी कारखाना मालिक गाम मे गंदा पानि साफ करबाक मशीन लगा देलक।
देखैत-देखैत नदी मे बहैत कूड़ा सेहो साफ भ गेल।
हम वादा करैत छी जे फैक्ट्रीक कचरा के सही तरीका स निपटारा करब आ नदीक पानि के प्रदूषित नहि करब।
!बाबा देखू, नदी साफ भ गेल अछि
हमरा अहाँ पर गर्व अछि श्रीया, अहाँ हमरा सबहक नदी के बचा !लेलहुँ

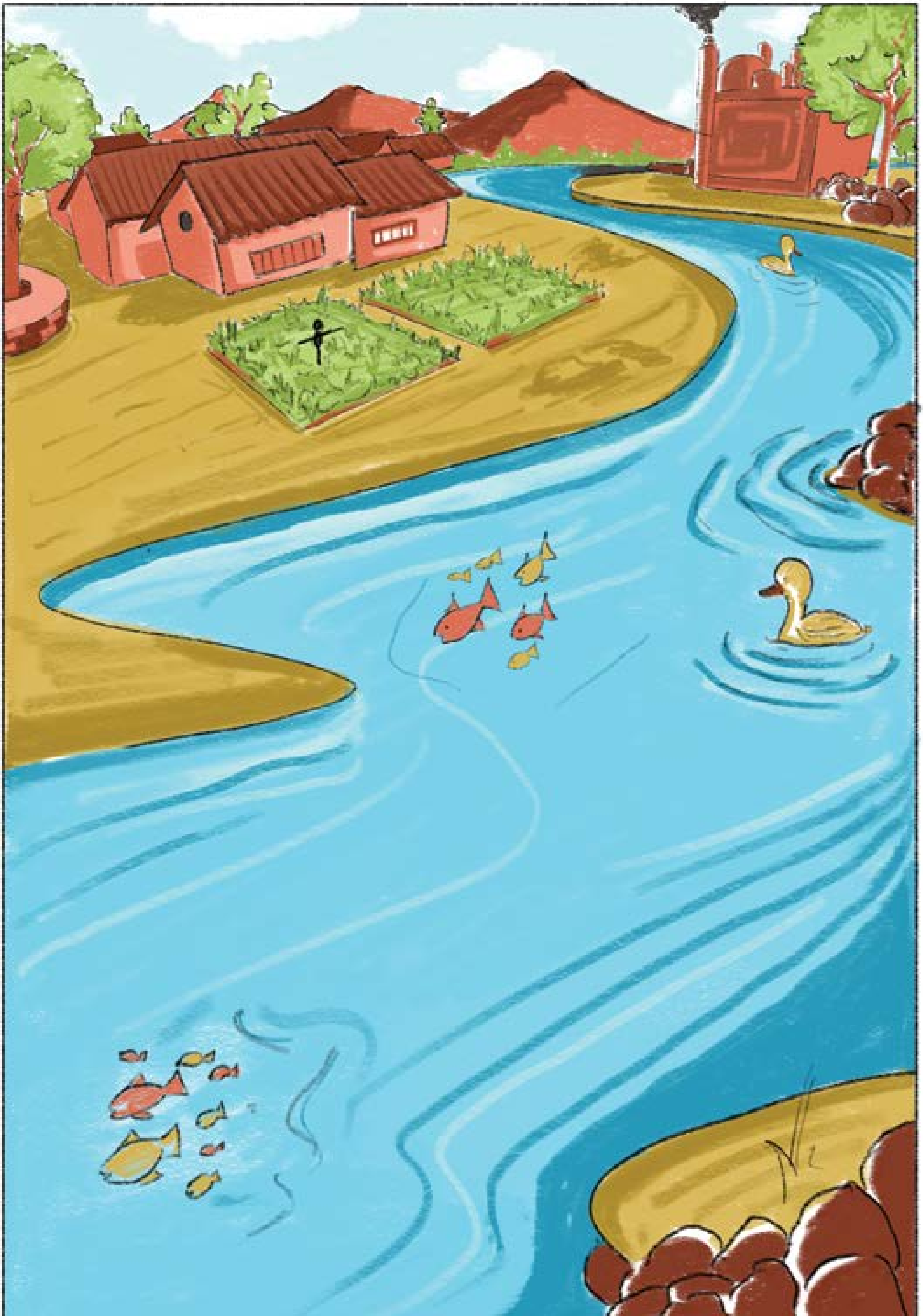

सा विद्या या विमुक्तये

CELL FOR NATIONAL CENTRE FOR LITERACY

राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र–प्रकोष्ठ

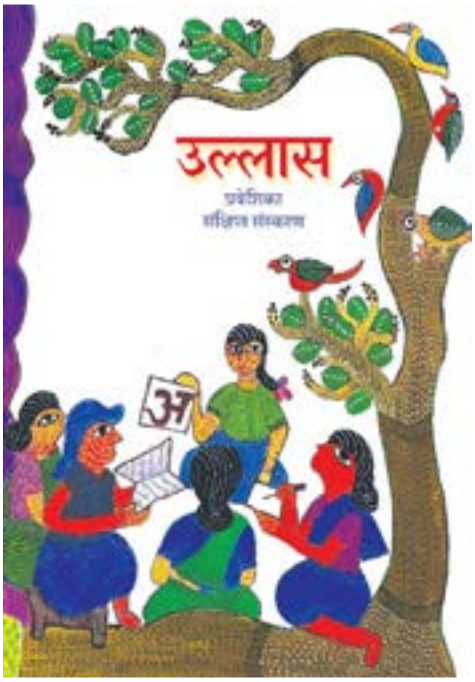

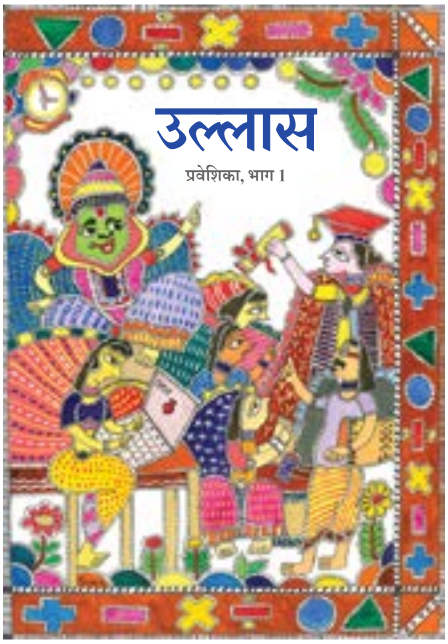

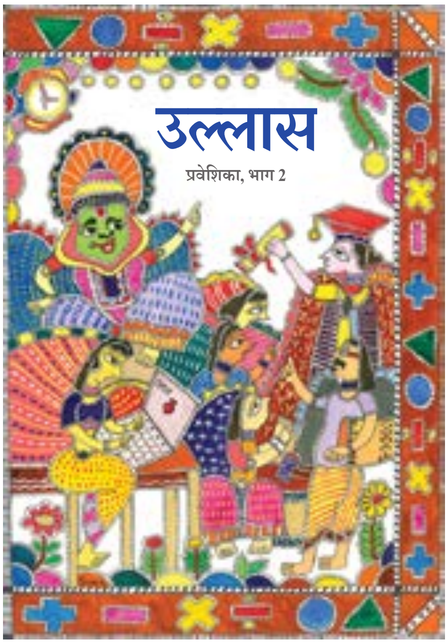

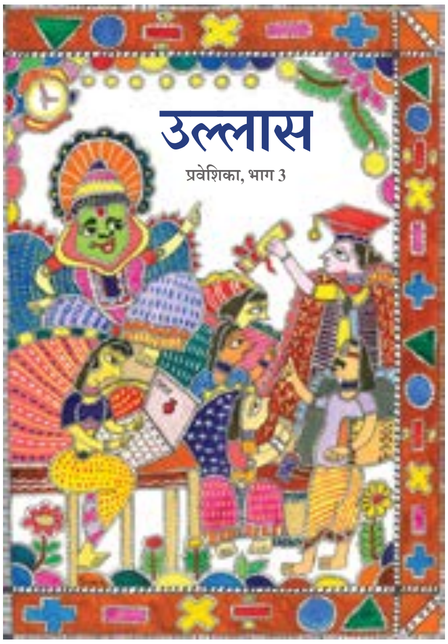

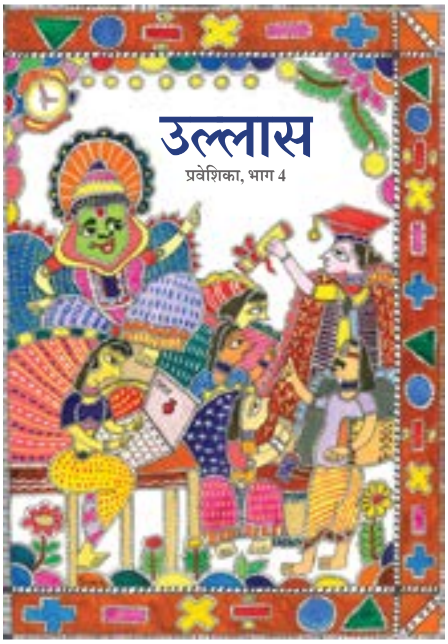

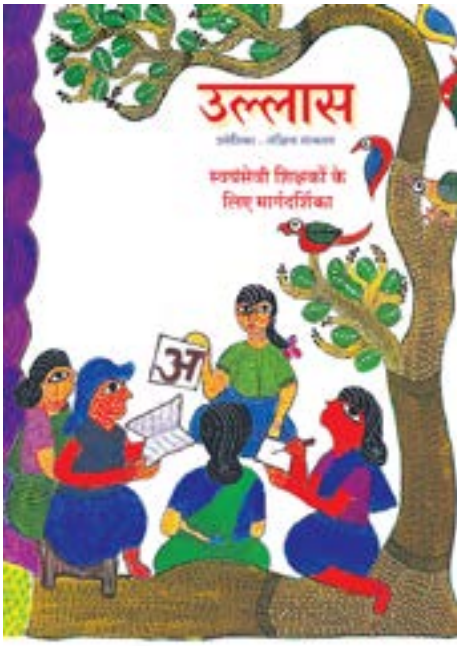

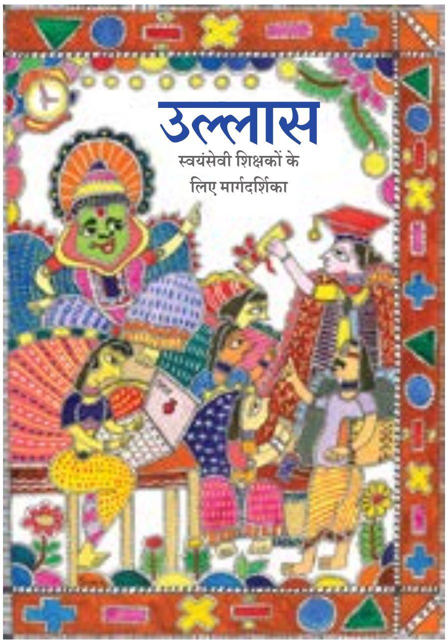

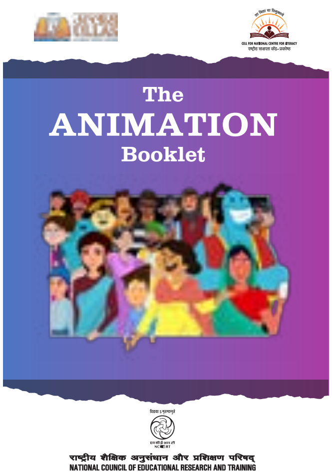

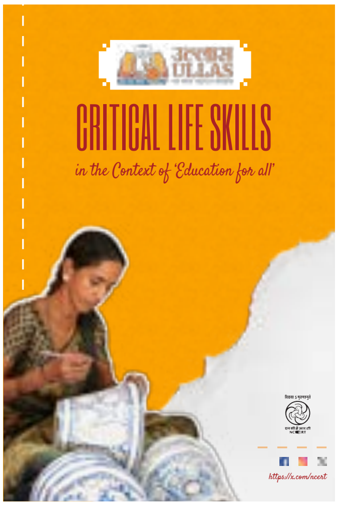

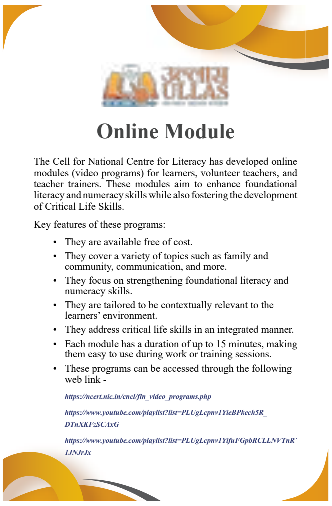
Online Module

The Cell for National Centre for Literacy has developed online modules (video programs) for learners, volunteer teachers, and teacher trainers. These modules aim to enhance foundational literacy and numeracy skills while also fostering the development of Critical Life Skills.

Key features of these programs:

- They are available free of cost.
- They cover a variety of topics such as family and community, communication, and more.
- They focus on strengthening foundational literacy and numeracy skills.
- They are tailored to be contextually relevant to the learners' environment.
- They address critical life skills in an integrated manner.
- Each module has a duration of up to 15 minutes, making them easy to use during work or training sessions.
- These programs can be accessed through the following web link -

https://ncert.nic.in/cncl/fln_video_programs.php

https://www.youtube.com/playlist?list=PLUgLcpnv1YieBPkech5R_DTnXKFzSCAxG

https://www.youtube.com/playlist?list=PLUgLcpnv1YifuFGpbRCLLNVTnR`1JNJrJx

DIKSHA (Education for All Vertical) :
https://diksha.gov.in/adult-education.html

CNCL Website :
https://ncert.nic.in/cncl/

साक्षरता की डगर पर

"स्वास्थ्य एवं स्वच्छता"

"सफाई है ज़रूरी"

ऑडियो कार्यक्रम- डिजिटल साक्षरता
अफवाहों से रहें दूर

"बाढ़"

"पृथ्वी हमारा घर"

परवरिश

"फ़ोन हुआ चोरी
तो ये काम है ज़रूरी"

"समझदार बिटिया"

"डिजिटल दीदी"
महत्वपूर्ण जीवन कौशल । डिजिटल साक्षरता

Story Books

Based on Critical Life Skills

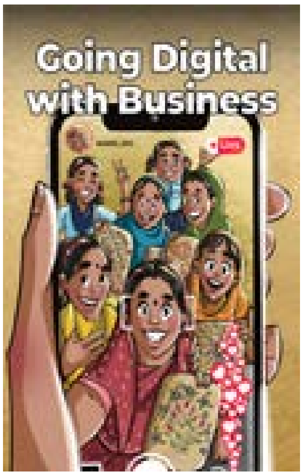

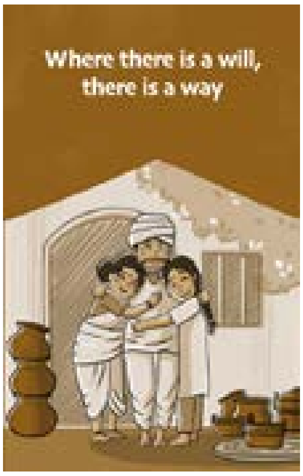

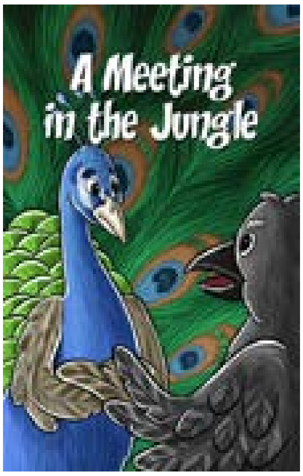

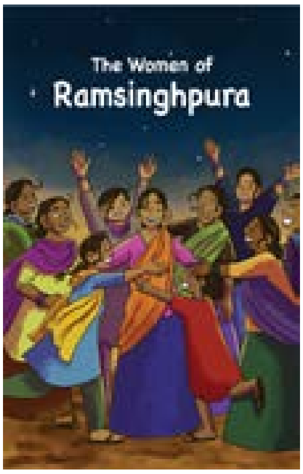

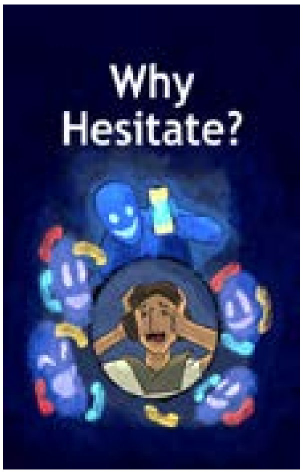

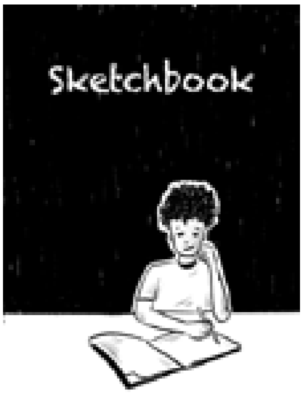

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING